an>

Title: Need to take measures for welfare of farmers in the country.

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर) ः देश में 90 प्रतिशत किसान अपूर्ण या अर्द्ध बेरोज़गार हैं, जिनके लिए वर्षभर कार्य उपलब्ध नहीं होता है। वे केवल फसलों के समय ही व्यस्त रहते हैं। शेष समय में उनके करने के लिए खास कार्य नहीं होता है तथा इसके अलावा आवश्कतानुकूल बारिश न होना या अधिक बारिश होना या अधिक ओलावृष्टि होना भी उनके लिए बहुत घातक सिद्ध होता है, जिस कारण उनकी फसल नष्ट हो जाती है तथा फसलों की वाजिब कीमत न मिलने की वजह से भी उनकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त ही दयनीय हो जाती है, जिस कारण वे आत्महत्या जैसे मानवीय कदम उठाते हैं। उनकी इस दुर्दशा से हम सभी के हृदय को भारी पीड़ा पहुँचती है। देश के इन किसानों को खाली समय में रोज़गार के सुअवसर उपलब्ध कराए जाने की आवश्यकता है।

सभी विकसित देशों में किसानों को सीधे रियायत दी जाती है। अमेरिका ने तो हाल ही में एक विधेयक लाकर किसानों को सीधे दी जाने वाली मदद में पहले की तुलना में दस फीसदी का इज़ाफा किया है। चीन भी किसान और गरीब आमदनी बढ़ाने के नज़रिये से ऐसी नई अर्थव्यवस्था को आकार देने में लग गया है जो घरेलू खपत पर आधारित हो। लिहाजा इन देशों का अनुकरण करते हुए हमें रियायत की पूरी की पूरी राशि किसानों को जोत के आकार के हिसाब से उनके निजी खाते में हस्तांतरित करने की नीति बनाने की भी आवश्यकता है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह देश के किसानों को उनकी फसल का वाजिब मूल्य सुनिश्चित किए जाने और ऋणग्रस्त किसानों के विद्युत एवं बैंक ऋण माफ किए जाने के साथ-साथ उन्हें रोज़गार न मिलने की स्थिति में बेरोज़गारी भत्ता दिए जाने हेतु कारगर कदम उठाए जाएं।